# सिगरेट पीते हैं... कृपया ताशीजोंग न जाएं

**पालमपुर** — मैं पालमपुर का ताशीजोंग गांव हूं। यहां आपको अब न बीड़ी मिलेगी और न ही नशे का बाकी सामान। मेरे लोगों ने दुकान-दुकान से बीड़ी, सिगरेट और तंबाकू इकट्ठा कर उसे आग लगा दी। देश भर में नशा मिटाने की कोशिशों के बीच पालमपुर से दस किलोमीटर दूर बसे छोटे से गांव ताशीजोंग ने बड़ी पहल की है। एनएच मंडी-पठानकोट मार्ग पर तिब्बती कालोनी ताशीजोंग में ऐसा ही कुछ बुधवार को देखने को मिला। गांव में आए एक शख्स ने पूरे गांव से 60 हजार रुपए में बीड़ी, सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद इकट्ठे कर उन्हें आग के हवाले कर दिया। गांववालों ने भी उसका साथ दिया और कसम खाई कि भविष्य में वे कभी भी नशा नहीं करेंगे। दरअसल ताशीजोंग इलाके में लोगों को पीने का पानी नसीब नहीं था। इसी दौरान एक सलाहकार हरजीत सिंह ने गांव की पेयजल समस्या को सुलझा दिया। इतने बड़े एहसान के बाद गांव वालों ने हरजीत सिंह से उसकी फीस पूछी। इस पर हरजीत सिंह ने कहा कि मेरी फीस यही होगी कि अब गांव में कोई भी व्यक्ति तंबाकू का सेवन न करे और न ही इसे बेचे। फिर क्या था। गांववाले जमा हुए और दुकान-दुकान से नशे का सारा सामान खरीद लिया। पूरे गांव से 60 हजार रुपए का सामान खरीदा गया। उसके बाद हरजीत के साथ गांववालों ने उस सारे सामान को इस कसम के साथ आग लगा दी कि वे भविष्य में कभी तंबाकू उत्पादों का सेवन नहीं करेंगें और गांव में भी उसे बिकने नहीं देंगे। गांव के निवासी व ताशीजोंग युवा क्लब के सचिव नामग्याल बताते हैं कि अब इस गांव में आने वाले व्यक्ति को तंबाकू के बिना यहां पर आना होगा। जो यहां पर इन उत्पादों को लेकर आएगा, उसे यहां पर आने की अनुमति नहीं दी जाएगी। करीबन एक हजार की आबादी वाले इस गांव ने पूरे देश के सामने एक अनूठा उदाहरण पेश किया है।

*July 21st, 2011*